

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई १ :

निबंध :

समस्याप्रधान निबंध (ज्वलंत समस्याओं पर आधारित :- जैसे-महामारी, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद आदि), कल्पनाप्रधान निबंध (यदि मैं शिक्षक होता, यदि परीक्षाएं न होतीं आदि), विश्लेषणात्मक निबंध (ऑन लाइन परीक्षाओं के लाभ और नुकसान, आधुनिक तकनीक/विज्ञान/सोशल मीडिया – वरदान या अभिशाप आदि), वर्णनात्मक निबंध (जनसंचार के नव आयाम (सोशल मीडिया), मेरे स्वप्नों का भारत आदि), विवेचनात्मक निबंध (कहावत/सुविचार प्रधान निबंध) ।

इकाई २ :

गद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

१. सच्ची सभ्यता कौनसी? (भेंटवार्ता) - महात्मा गांधी
२. बनमानुष की दर्दनाक कहानी (कहानी) - प्रेमचंद
३. छड़ी (कहानी) - दामोदर खडसे
४. विक्रमार्क, बुढ़िया और सराय रोहिल्ला - हरीश नवल
(व्यंग्य)
५. कागज़ी बुर्ज (एकल एकांकी) - मीरा कांत
६. बिन पानी सब सून (व्यंग्य) - नीरज व्यास

इकाई ३ :

पद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

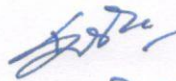
१. सूर के पद - सूरदास
२. रहीम के दोहे - रहीम

- | | |
|-------------------------------------|--------------------|
| ३. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती | - सोहनलाल द्विवेदी |
| ४. वाणी | - सुमित्रानंदन पंत |
| ५. 'हिंदी' हिंद-हृदय की धड़कन | - कृष्णकुमार चौबे |
| ६. देशभक्ति की स्याही | - सागर खादीवाला |

इकाई ४ :

अन्य पाठ्य सामग्री :

१. संक्षिप्तीकरण (पदनाम) : पाठ्यपुस्तक में निहित सूची में से पूछे जाएँगे।
२. साक्षात्कार : परिभाषा, उद्देश्य, सतर्कताएँ, सीमाएँ, प्रकार, महत्त्व।


(डॉ. इश्वर सोमनाथ)

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई १ :

निबंध :

समस्याप्रधान निबंध (ज्वलंत समस्याओं पर आधारित:- जैसे-महामारी, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद आदि), कल्पनाप्रधान निबंध (यदि मैं शिक्षक होता, यदि परीक्षाएं न होतीं आदि), विश्लेषणात्मक निबंध (ऑन लाइन परीक्षाओं के लाभ और नुकसान, आधुनिक तकनीक/विज्ञान/सोशल मीडिया- वरदान या अभिशाप आदि), वर्णनात्मक निबंध (जनसंचार के नव आयाम (सोशल मीडिया), मेरे स्वप्नों का भारत आदि), विवेचनात्मक निबंध (कहावत/सुविचार प्रधान निबंध) ।

इकाई २ :

गद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

१. प्रतिक्रिया : एक जीवन-कसौटी (निबंध) - कन्हैयालाल मिश्र ‘प्रभाकर’
२. चाटुकारिता भी एक कला है - बरसानेलाल चतुर्वेदी
(व्यंग्य)
३. बहू की विदा (एकांकी) - विनोद रस्तोगी
४. बकुल! फिर आना (कहानी) - मालती जोशी
५. महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा - सुनील देवधर
(फीचर लेख)
६. मौन बोली दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाषा - मीनाक्षी जोशी
(यात्रा-संस्मरण)

इकाई ३ :

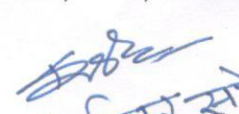
पद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| १. बिहारी के दोहे | - बिहारी |
| २. जनतंत्र का जन्म | - रामधारीसिंह 'दिनकर' |
| ३. उनको प्रणाम | - नागार्जुन |
| ४. चलना हमारा काम है | - शिवमंगल सिंह 'सुमन' |
| ५. माँ | - मधुप पांडेय |
| ६. सौरभ के फूलों | - सरोज व्यास |

इकाई ४ :

अन्य पाठ्य सामग्री :

१. संक्षिप्तीकरण (संस्था-संगठनों के नाम) : पाठ्यपुस्तक में निहित सूची में से पूछे जाएंगे।
२. जीवनवृत्त : परिभाषा, प्रारूप, विशेषताएँ, प्रकार।


(डॉ. ईश्वर सोमनाथ)

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

बी. कॉम. द्वितीय वर्ष

विषय : हिंदी

पाठ्यपुस्तक : 'पारिजात'

सत्र-३ (Semester - III)

समय : ३ घंटे)

(कुल अंक : ८०)

प्रश्न-पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

- प्रश्न १ - समस्याप्रधान, कल्पनाप्रधान, विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक तथा विवेचनात्मक विषयों पर आधारित निबंध। अंक-१६
(किन्हीं चार में से एक विषय पर - शब्द सीमा ४०० तक)
- प्रश्न २ - गद्य-विभाग पर आधारित पाठों में से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित है।) अंक-१६
- प्रश्न ३ - पद्य-विभाग पर आधारित कविताओं में से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित है।) अंक-१६
- प्रश्न ४ - तीन प्रश्न गद्य-विभाग पर (जिन पाठों से दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे गये हैं, उन पाठों को छोड़कर) व तीन प्रश्न पद्य-विभाग पर (जिन कविताओं से दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे गये हैं, उन कविताओं को छोड़कर) आधारित कुल छह लघु प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। ४ x ४ अंक = अंक-१६
- प्रश्न ५ - इसके अंतर्गत अन्य पाठ्य सामग्री से चार अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रथम दो प्रश्न 'साक्षात्कार' से तथा अगले दो प्रश्न 'संक्षिप्तीकरण' (पदनाम) से पूछे जायेंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। ४ x ४ अंक = अंक-१६

कुल अंक विभाजन

निबंध	-	१६ अंक	
गद्य विभाग	-	२४ अंक	
पद्य विभाग	-	२४ अंक	
अन्य पाठ्य सामग्री	-	१६ अंक	
कुल अंक	-	८० अंक	
	+		
आंतरिक मूल्यांकन	-	२० अंक	(उपस्थिति - ५ अंक, गृहकार्य - ५ अंक, मौखिकी - १० अंक)
कुल अंक	-	१०० अंक	

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई १ :

निबंध :

समस्याप्रधान निबंध (ज्वलंत समस्याओं पर आधारित:- जैसे-महामारी, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद आदि), कल्पनाप्रधान निबंध (यदि मैं शिक्षक होता, यदि परीक्षाएं न होतीं आदि), विश्लेषणात्मक निबंध (ऑन लाइन परीक्षाओं के लाभ और नुकसान, आधुनिक तकनीक/विज्ञान/सोशल मीडिया- वरदान या अभिशाप आदि), वर्णनात्मक निबंध (जनसंचार के नव आयाम (सोशल मीडिया), मेरे स्वप्नों का भारत आदि), विवेचनात्मक निबंध (कहावत/सुविचार प्रधान निबंध) ।

इकाई २ :

गद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

१. प्रतिक्रिया : एक जीवन-कसौटी (निबंध) - कन्हैयालाल मिश्र ‘प्रभाकर’
२. चाटुकारिता भी एक कला है - बरसानेलाल चतुर्वेदी
(व्यंग्य)
३. बहू की विदा (एकांकी) - विनोद रस्तोगी
४. बकुल! फिर आना (कहानी) - मालती जोशी
५. महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा - सुनील देवधर
(फीचर लेख)
६. मौन बोली दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाषा - मीनाक्षी जोशी
(यात्रा-संस्मरण)

इकाई ३ :

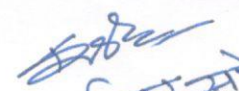
पद्य-विभाग : पाठ्यपुस्तक : “पारिजात”

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| १. बिहारी के दोहे | - बिहारी |
| २. जनतंत्र का जन्म | - रामधारीसिंह ‘दिनकर’ |
| ३. उनको प्रणाम | - नागार्जुन |
| ४. चलना हमारा काम है | - शिवमंगल सिंह ‘सुमन’ |
| ५. माँ | - मधुप पांडेय |
| ६. सौरभ के फूलों | - सरोज व्यास |

इकाई ४ :

अन्य पाठ्य सामग्री :

- १ संक्षिप्तीकरण (संस्था-संगठनों के नाम) : पाठ्यपुस्तक में निहित सूची में से पूछे जाएँगे।
२. जीवनवृत्त : परिभाषा, प्रारूप, विशेषताएँ, प्रकार।


(डॉ. ईश्वर सोमनाथ)